

किंगरि स्त्री. (तद्.) 1. वाद्ययंत्र 2. भर्तृहरि (भरथरी)
संप्रदाय के लोगों द्वारा गीत गाकर बजाया जाने
वाला वाद्य या चिकारा।

किंच अव्यय. (तत्.) 1. किंतु, लेकिन 2. और क्या।
किंचन क्रि.वि. (तत्.) अल्पमात्रा में, थोड़ा सा,
कुछ-कुछ।

किंचित् क्रि.वि. (तत्.) थोड़ा सा, कुछ-कुछ।

किंचित्कर वि. (तत्.) थोड़ा करने वाला, कुछ करने
वाला।

किंचित्काल पुं. (तत्.) कुछ समय।

किंचित्प्राण वि. (तत्.) अल्पप्राण वाला, थोड़े
जीवन वाला।

किंचिन्मात्र वि. (तत्.) बहुत थोड़ा।

किंछा पुं. (देशज.) जल का छिटका।

किंजल्क पुं. (तत्.) कमल पुष्प का पीले रंग का
पराग, या कमल का फूल।

किंडरगार्टन पुं. (अं.) शि.वि. 1. शिक्षाविज्ञान में
निर्दिष्ट शिक्षा की एक ऐसी पद्धति जिसमें
बालक-बालिकाओं को प्रारंभिक स्तर पर शिक्षा
देने के लिए खेलविधि को अपनाया जाता है 2.
बाल विहार 3. खेलकूद द्वारा बच्चों की शिक्षा
की व्यवस्था का स्थान।

किंतु अव्य. (तत्.) लेकिन, तब भी।

किंपुरुष पुं. (तत्.) कायर व्यक्ति या कायर पुरुष।

किंभूत वि. (तत्.) किस प्रकार का, कैसी प्रकृति
का।

किंरूप वि. (तत्.) किस रूप का, कौन सी शकल
वाला।

किंवदंती स्त्री. (तत्.) 1. परंपरा से सुनी जाने
वाली बात 2. लोकश्रुति, केवल सुनी हुई बात।

किंशुक पुं. (तत्.) पलाश या टेसू का पेड़ अथवा
फूल।

किंसुक पुं. (तद्.) दे. किंशुक।

कि क्रि.वि. (देश.) 1. अथवा, किस रीति से।

किकियाना अ.क्रि. (देश.) 'की' की ध्वनि करके
चिल्लाना, दुखी होकर रोना।

किचकिच स्त्री. (देश.) व्यर्थ की बकवास या
विवाद।

किचकिचाना अ.क्रि. (अनु.) दाँत रगड़कर वाद-
विवाद करना, व्यर्थ विवाद करना।

किचपिच स्त्री. (अनु.) 1. कीचड़ भरा, पंकिल 2.
भीड़भरा 3. दुर्दशा 4. व्यर्थ बकवास वि. स्पष्टता
रहित।

किचरपिचर स्त्री. (अनु.) दे. किचपिच।

किछु वि. (देश.) कुछ, थोड़ा क्रि.वि. कुछ भी।

किजाकी स्त्री. (तत्.) 1. डाका डालना, दस्युवृत्ति
2. शठता 3. चतुरपन।

किटकिट स्त्री. (अनु.) 1. दाँतों के टकराने से
उत्पन्न ध्वनि 2. निरर्थक वाद विवाद 3. कलह।

किटकिटाना अ.क्रि. (अनु.) दाँतों की टकराहट की
ध्वनि स.क्रि. क्रोध में दाँत किटकिटाना 2. व्यर्थ
कलह करना।

किट्ट पुं. (तत्.) 1. तेल आदि द्रव पदार्थ की
गंदगी जो बर्तन में नीचे जम जाती है, मलिन
तत्व 2. किसी वस्तु या लोहे पर जमा मैल या
जंग कृषि. एक प्रकार का रोग जिसमें पौधा जंग
लगा दिखाई पड़ता है।

किडनी स्त्री. (अं.) गुर्दा, शरीर का एक आंतरिक
अंग। kidney

किड़ाना पुं. (देश.) 1. कीड़े उत्पन्न होना 2. विकृत
होकर सड़ जाना।

किण पुं. (तत्.) 1. रगड़ के कारण हाथ में पड़ने
वाला निशान 2. घाव जैसा निशान 3. तिल का
निशान 4. लकड़ी में लगने वाला कीड़ा, घुन सर्व.
किसने।

किणकिण पुं. (अनु.) आभूषण की ध्वनि।

किणता स्त्री. (तत्.) कड़ापन, कठोरता।